कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली
ओल्ड सेंट स्टीफंस कॉलेज बिल्डिंग, कश्मीरी गेट,
नई दिल्ली - 110006

प्रेस विज्ञप्ति

- **'लोकतंत्र का प्रकाश'(इल्युमिनेटिंग डेमोक्रेसी)- दक्षिणी दिल्ली में लोकतंत्र का उत्सव**
- **जिला दक्षिणी निर्वाचन कार्यालय द्वारा कुतुब मीनार, महरौली में 'लोकतंत्र का प्रकाश' (इल्युमिनेटिंग डेमोक्रेसी) कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजित किया।**
- **इल्युमिनेटिंग डेमोक्रेसी' ने कुतुब मीनार को रोशन किया, दिल्ली में मतदाताओं की भागीदारी को प्रेरित किया**
- **स्वीप पहल कुतुब मीनार में चमकी, समावेशी चुनावी भागीदारी को प्रोत्साहित किया**
- **दिल्ली के सीईओ ने 'इल्युमिनेटिंग डेमोक्रेसी' कार्यक्रम में अधिकतम मतदान का आग्रह किया**
- **कुतुब मीनार दक्षिण दिल्ली के मतदाता जागरूकता अभियान में लोकतंत्र का प्रतीक बना**

नई दिल्ली **दिनांक: 29 जनवरी 2025**

दक्षिण दिल्ली ने आज ऐतिहासिक कुतुब मीनार परिसर में आयोजित 'लोकतंत्र का प्रकाश ' (इल्लुमेटिंग डेमोक्रेसी) कार्यक्रम के माध्यम से लोकतंत्र का भव्य उत्सव मनाया। दक्षिण जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले मतदाता शिक्षा और भागीदारी को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO), श्रीमती आर. एलिस वाज़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम अधिकतम मतदाता सहभागिता सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी मज़बूत होता है जब हर आवाज सुनी जाए और हर मत महत्वपूर्ण हो। उन्होंने सभी से

मतदान के माध्यम से राष्ट्र के विकास में योगदान देने और 5 फरवरी 2025 को होने वाले मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया।

यह स्वीप SVEEP(सिस्टेमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) पहल विशेष रूप से प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं , दिव्यांगजन (PwDs) और ट्रांसजेंडर समुदाय को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सशक्त बनाने और उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

कार्यक्रम के दौरान कुतुब मीनार पर एक भव्य लाइट शो आयोजित किया गया, जो लोकतंत्र की शक्ति और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी का प्रतीक था। प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं के लिए विशेष सम्मान और प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे उनमें अपने मताधिकार को लेकर गर्व की भावना उत्पन्न हो।

जिला निर्वाचन अधिकारी (DEO), श्री मेकला चैतन्य ने कहा की यह कार्यक्रम समावेशी लोकतंत्र की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहां प्रत्येक पात्र मतदाता, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि या क्षमता का हो , मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सशक्त महसूस करे। हमारा लक्ष्य नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं को मतदान के महत्व और इसके परिवर्तनकारी प्रभाव को समझाने के लिए प्रेरित करना है।

इसके अलावा, स्कूली छात्रों द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए , जिसमें लोकतंत्र के महत्व को रेखांकित करने वाले लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रेरणादायक प्रदर्शन और दृश्य माध्यमों से मतदान और लोकतांत्रिक मूल्यों के महत्व को उजागर किया गया।

इस कार्यक्रम ने “सभी के लिए समावेशन” (Inclusion for All) की थीम को बढ़ावा दिया, जिसमें दिव्यांगजन (PwDs) और ट्रांसजेंडर समुदाय की सक्रिय भागीदारी को दर्शाया गया। यह आयोजन निर्वाचन आयोग की समावेशिता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सभी नागरिकों को इस जीवंत लोकतांत्रिक उत्सव का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया, ताकि “कोई मतदाता न छूटे” (No Voter to be Left Behind) का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचे।

***